कुन्दकुन्द ज्ञानपीठ परीक्षा संस्थान, इन्दौर

अनुरोध

वर्तमान में युवा पीढ़ी को संस्कारित कर उनमें नैतिक एवं धार्मिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार हेतु कुन्दकुन्द ज्ञानपीठ के अंतर्गत संचालित कुन्दकुन्द परीक्षा संस्थान वर्ष 1987 से सुव्यवस्थित परीक्षाओं का संचालन कर रहा है। इसमें नैतिक शिक्षा सात भाग, बालबोध जैनधर्म चार भाग, छहढाला, रत्नकरण्ड श्रावकाचार, द्रव्यसंग्रह, भक्तामर स्तोत्र, पुरुषार्थसिद्धयुपाय, जैनसिद्धान्त प्रवेशिका, मोक्षशास्त्र, जीवकाण्ड तक एवं प्रवेशिका विशारद व शास्त्री के तीन-तीन खण्ड व सिद्धान्तरत्न, न्यायरत्न, प्रतिष्ठारत्न, व्याकरणरत्न एवं उपदेशक परीक्षा के दो-दो वर्ष की परीक्षाओं का सफल आयोजन **श्री वर्णी दिगम्बर जैन गुरुकुल, जबलपुर** से ब्र.जिनेश, ब्र.प्रदीप पीयूष, **श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति व्रती आश्रम, इन्दौर** से ब्र.जिनेश मलैया, ब्र.सुरेश जी, **श्री दिगम्बर जैन उदासीन आश्रम, इन्दौर** से ब्र.पं.रतनलाल शास्त्री, ब्र.अशोक, ब्र.अभय, **सर्वोदय विद्यापीठ सिद्धायतन, सागर** से ब्र.राकेश एवं ब्रह्मचारिणी बहनों के सहयोग व ब्र.अनिलकुमार जैन के निर्देशन में देश के शीर्षस्थ 50 विद्वानों के सहयोग से नियमानुसार परीक्षा लेकर उनकी उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कर परिणाम एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर रहा है। इसमें देश के अधिकांश संस्कृत महाविद्यालय तथा श्रवणबेलगोला, वाराणसी, सागर, बरूआसागर, साढूमल, जबलपुर, खुरई, बीना आदि एवं अनेक सायंकालीन शिक्षा संस्थायें (पाठशालायें) व उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सम्मिलित हो रहे हैं।

वर्तमान में भौतिक एवं भोग विलास की प्रवृत्ति से जहाँ संस्कार एवं धार्मिक भावनायें समाप्त हो रही है। उसी दिशा में संस्थान का यह प्रयास है कि बालकों एवं युवाओं में सुसंस्कार विकसित हो, उन्हें धर्म एवं नैतिकता का बोध हो, परीक्षाओं के माध्यम से मूल्यांकन हो। हमारी समाज का यह नैतिक दायित्व है कि इस दिशा में ठोस व रचनात्मक कार्य करें। कुन्दकुन्द ज्ञानपीठ परीक्षा संस्थान इस दिशा में विगत 24 वर्षों से यह कार्य कर रहा है। इस वर्ष की 149 शिक्षा संस्थाओं के 19440 विद्यार्थियों ने 40 पाठ्यक्रमों में भाग लिया। संस्थान आपसे अपेक्षा रखता है कि आप इस दिशा में हमारा सहयोग करें। आप अपने नगर की शिक्षा संस्थाओं को हमारे संस्थान से जोड़े एवं विद्यार्थियों एवं युवाओं में नैतिक व धार्मिक संस्कार विकसित करायें। इससे समाज व राष्ट्र मजबूत होगा व समाज की ऊर्जा का उपयोग समाज हित में होगा।

डॉ.अजितकुमार सिंह कासलीवाल
अध्यक्ष

श्रीमती विमला जैन
मंत्री

ब्र.अनिलकुमार जैन
निदेशक

श्रीमती अनुपमा जैन
समन्वयक

अरविन्द कुमार जैन
परीक्षाधिकारी